

DAY — 14

SEAT NUMBER

|  |  |  |  |  |  |
|--|--|--|--|--|--|
|  |  |  |  |  |  |
|--|--|--|--|--|--|

|                       |     |           |      |                 |     |
|-----------------------|-----|-----------|------|-----------------|-----|
| 2024                  | III | 09        | 1500 | J-909           | (H) |
| <b>ECONOMICS (49)</b> |     |           |      |                 |     |
| Time : 3 Hrs.         |     | (7 Pages) |      | Max. Marks : 80 |     |

सूचनाएँ : (१) सभी प्रश्नों को हल करना अनिवार्य है।

(२) आवश्यकतानुसार स्वच्छ तालिका / रेखाचित्र बनाइए।

(३) दाहिनी ओर के अंक प्रश्नों के पूर्ण गुण प्रदर्शित करते हैं।

(४) प्रत्येक मुख्य प्रश्न का उत्तर नए पन्ने से प्रारंभ कीजिए।

प्र. १. (अ) निम्नलिखित विधान पूर्ण कीजिए :

(५) [ २० ]

(i) व्यष्टि अर्थशास्त्र विश्लेषण में प्रयोग की जानेवाली पद्धति (विधि):

(अ) राशि पद्धति

(ब) समग्र पद्धति

(क) विभाजन पद्धति

(ड) सर्वसमावेशी पद्धति

विकल्प- (1) अ, क, ड (2) ब, क, ड

(3) सिर्फ क (4) सिर्फ अ

(ii) असंगठित मुद्राबाजार में निम्नांकित घटक कार्य करते हैं:

(अ) साहूकार

(ब) वाणिज्यिक बैंक

(क) हुण्डियाँ

(ड) चिटफंड

विकल्प- (1) अ, ब, क (2) ब, क

(3) ब, ड (4) अ, क, ड

(iii) सरकार के ऐच्छिक कार्य में इन कार्यों का समावेश होता है:

- (अ) विदेशी आक्रमण से सुरक्षा
- (ब) शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएँ
- (क) सामाजिक सुरक्षा के उपाय
- (ड) कर संकलन

विकल्प- (1) ब, क (2) अ, ब, क  
(3) ब, क, ड (4) सभी

(iv) निम्नलिखित विधानों से सूचकांक/निर्देशांक का महत्त्व खोजिए:

- (अ) भविष्यकाल का पूर्वानुमान करने के लिए उपयोगी निर्देशांक
- (ब) मूल्यवृद्धि का मापन करने के लिए उपयोगी निर्देशांक
- (क) उचित नीतियों का निर्धारण करने के लिए उपयोगी निर्देशांक
- (ड) निर्देशांक का प्रयोग गलत कार्यों के लिए किया जा सकता है

विकल्प- (1) ब, क, ड (2) अ, ब, क  
(3) अ, ब, ड (4) अ, क, ड

(v) ब्लड बैंक [Blood Bank] निम्न का उदाहरण है:

- (अ) स्थान उपयोगिता
- (ब) ज्ञान उपयोगिता
- (क) सेवा उपयोगिता
- (ड) समय उपयोगिता

विकल्प- (1) अ, ब, क (2) ब, क, ड  
(3) अ, ब, ड (4) सिर्फ ड

(ब) असंगत शब्द पहचानिए: (५)

(i) माँग के प्रकार -

प्रत्यक्ष माँग, परोक्ष/अप्रत्यक्ष माँग, संयुक्त माँग, बाजार माँग

(ii) राष्ट्रीय आय की विशेषताएँ -

आर्थिक वर्ष, मुद्रा में व्यक्त किया गया मूल्य, स्थायी अवधारणा, प्रवाही अवधारणा

(iii) बजट के प्रकार -

घाटे का बजट, शून्याधारित बजट, संतुलित बजट, बचत का बजट

(iv) कानूनी एकाधिकार -

पेटेंट, ओपेक (OPEC), अधिकार, ट्रेडमार्क

(v) वित्तीय परिसम्पत्तियाँ -

बंधपत्र (bonds), भूमि, सरकारी प्रतिभूतियाँ, व्युत्पन्न बंधपत्र

(क) आर्थिक/अर्थशास्त्रीय पारिभाषिक शब्द लिखिए : (५)

(i) कीमत स्थिर होते हुए अन्य कारकों में अनुकूल परिवर्तन के परिणामस्वरूप माँग में वृद्धि होना।

(ii) माँग के अनुसार खाते से राशि निकाली जानेवाली जमाएँ।

(iii) एक ही वस्तु और सेवाओं की अलग-अलग ग्राहकों को अलग-अलग कीमत निश्चित करना।

(iv) एक से अधिक इकाई का उत्पादन करने के पश्चात् कुल खर्च में होनेवाली शुद्ध वृद्धि।

(v) सिर्फ आय के परिवर्तन के परिणामस्वरूप अर्थात् माँग में होनेवाला परिवर्तन।

(ड) सहसंबंध पूर्ण कीजिए : (५)

(i) सामान्य संतुलन: समष्टि अर्थशास्त्र :  : व्यष्टि अर्थशास्त्र

(ii) उत्पादन पद्धति:  : : आय पद्धति: साधन/घटक पद्धति

(iii) रूप उपयोगिता: फर्नीचर : :  : डॉक्टर

(iv) पूर्णतया लोचदार माँग :  $Ed = \infty$  : :  :  $Ed = 0$

(v)  : पूर्ति में परिवर्तन : : अन्य कारक स्थिर : पूर्ति में विचलन

प्र. २. (अ) निम्नलिखित उदाहरणों की सहायता से अवधारणा पहचानकर उसे स्पष्ट [ १२ ]

कीजिए (कोई तीन): (६)

(i) मनीषा ने कॉपी पेन का प्रयोग करके निबंध लेखन की आवश्यकता पूर्ण की।

(ii) रघु के पिताजी उनके पैसे देश में और देश के बाहर संयुक्त शेयर और कर्ज (ऋण) ऐसे दोनों दीर्घकालीन फंड में बाज़ार में निवेश करते हैं।

(iii) कोरोना महामारी के काल में मास्क का प्रयोग अनिवार्य करने से मास्क तैयार करने वाले श्रमिकों की माँग बढ़ गई।

(iv) महाराष्ट्र ने पंजाब से गेहूँ खरीदा।

(v) जागृति को राज्य सरकार से प्रतिमाह ₹ ५,००० पेन्शन प्राप्त होती है।

(ब) अंतर स्पष्ट कीजिए (कोई तीन) : (६)

(i) आवर्ती जमाएँ एवं सावधि जमाएँ

(ii) कुल उपयोगिता एवं सीमांत उपयोगिता

(iii) पूर्णतया लोचदार माँग एवं पूर्णतया बेलोचदार माँग

(iv) कीमत निर्देशांक एवं संख्यात्मक निर्देशांक

(v) अंतर्गत ऋण एवं बाह्य ऋण

प्र. ३. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए (कोई तीन) : [ १२ ]

(i) माँग के कोई चार प्रकार स्पष्ट कीजिए।

(ii) भारत में पूँजी बाजार की कोई चार समस्याएँ स्पष्ट कीजिए।

(iii) उपयोगिता की कोई चार विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

(iv) सार्वजनिक व्यय में वृद्धि होने के कोई चार कारण स्पष्ट कीजिए।

(v) समष्टि अर्थशास्त्र की कोई चार विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए।

प्र. ४. निम्नलिखित विधानों से आप सहमत हैं या असहमत हैं, कारण सहित स्पष्ट कीजिए (कोई तीन) : [ १२ ]

(i) पिछले ७५ वर्षों के दौरान भारत के विदेशी व्यापार की संरचना और दिशा में पूर्ण परिवर्तन हुआ।

(ii) समष्टि अर्थशास्त्र यह व्यष्टि अर्थशास्त्र से भिन्न है।

(iii) कीमतकर्ता एकाधिकार बाजार की एकमात्र विशेषता है।

(iv) गैर-कर आय के कई स्रोत हैं।

(v) निर्देशांक के विभिन्न प्रकार हैं।

प्र. ५. निम्नलिखित तालिका, रेखाचित्र, परिच्छेद का अध्ययन करके पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए (कोई दो) : [ ८ ]

(i) निम्नांकित तालिका की सहायता से प्रश्नों के उत्तर लिखिए। ( ४ )

| वस्तु | 2006 की कीमत ( ₹ )<br>( $P_0$ ) (आधार वर्ष) | 2019 की कीमत ( ₹ )<br>( $P_1$ ) (चालू वर्ष) |
|-------|---------------------------------------------|---------------------------------------------|
| अ     | 20                                          | 30                                          |
| ब     | 30                                          | 45                                          |
| क     | 40                                          | 60                                          |
| ड     | 50                                          | 75                                          |
| इ     | 60                                          | 90                                          |

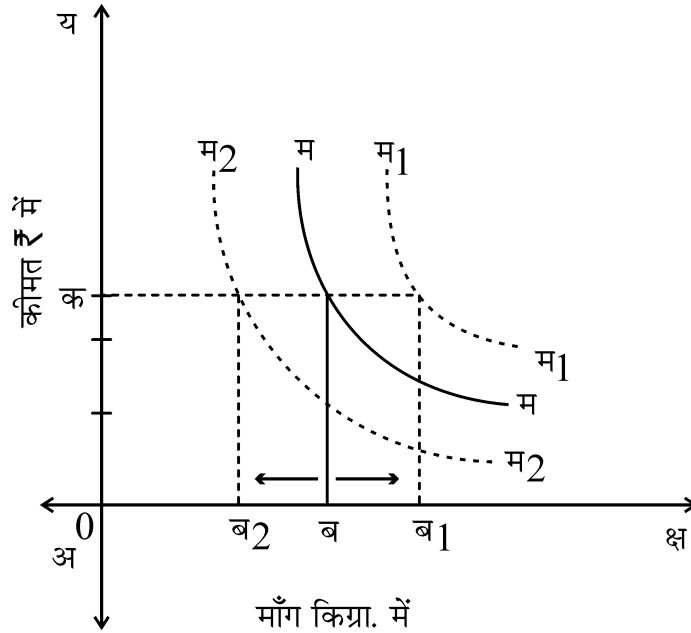
प्रश्न:

(१) कीमत निर्देशांक ज्ञात करने का सूत्र लिखिए। (१)

(२)  $\Sigma P_0$  और  $\Sigma P_1$  की कीमत ज्ञात कीजिए। (१)

(३) कीमत निर्देशांक ( $P_{01}$ ) ज्ञात कीजिए। (२)

(ii) निम्नांकित रेखाचित्र का निरीक्षण कीजिए और प्रश्नों के उत्तर दीजिए: ( ४ )



- (१) दायीं ओर स्थानांतरित होने वाला माँग वक्र (१)
- (२) बायीं ओर स्थानांतरित होने वाला माँग वक्र (१)
- (३) वस्तु की कीमत ----- (१)
- (४) माँग में वृद्धि एवं कमी इस ----- अवधारणा के अंतर्गत आती है (१)

(iii) निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (४)

सामान्यतः बाज़ार एक ऐसा विशिष्ट स्थान है जहाँ क्रेता और विक्रेता अपनी वस्तुओं का लेन-देन करते हैं, लेकिन अर्थशास्त्र में बाज़ार यह संज्ञा व्यापक अर्थ में उपयोग में लाते हैं। अर्थशास्त्रीय दृष्टि से विचार किया जाए तो बाज़ार एक स्थान न होते हुए एक व्यवस्था है जिसके द्वारा क्रेता और विक्रेता प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से अपनी वस्तुओं का लेन-देन करते हैं।

बाज़ार का वर्गीकरण स्थान, समय, और प्रतियोगिता के अनुसार किया जाता है। प्रतियोगिता के अनुसार बाज़ार पूर्ण प्रतियोगिता और अपूर्ण प्रतियोगिता ऐसे दो प्रकार के हैं। पूर्ण प्रतियोगिता बाज़ार की काल्पनिक अवधारणा है। लेकिन प्रत्यक्ष व्यवहार में अपूर्ण प्रतियोगिता के अनेक प्रकार दिखाई देते हैं। जैसे एकाधिकार, द्वयाधिकार, अल्पाधिकार और एकाधिकार युक्त प्रतियोगिता।

वर्तमान स्थिति में एकाधिकार युक्त प्रतियोगिता प्रत्यक्ष व्यवहार में बड़ी मात्रा में दिखाई देती है। इसमें पूर्ण प्रतियोगिता और एकाधिकार की कुछ विशेषताएँ संयुक्त रूप से दिखाई देती हैं। उत्पाद व्यय और बिक्री व्यय में भिन्नता एकाधिकार युक्त प्रतियोगिता का प्रमुख लक्षण है। उत्पादक के उत्पाद की अधिक माँग निर्माण करने के लिए और वस्तु की बिक्री बढ़ाने के लिए होने वाला व्यय अर्थात् बिक्री व्यय है। इसमें विज्ञापन, होर्डिंग, विंडो डिस्प्ले आदि का समावेश बिक्री व्यय में होता है।

प्रश्न :

- (१) अर्थशास्त्रीय दृष्टि से बाज़ार की परिभाषा लिखिए। (१)
- (२) बाज़ार का वर्गीकरण कैसे किया जाता है? लिखिए। (१)
- (३) बिक्री व्यय के बारे में अपने विचार लिखिए। (२)

प्र. ६. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए ( कोई दो ) :

[ १६ ]

- (i) माँग की लोच की अवधारणा स्पष्ट करके माँग की आय लोच के प्रकार स्पष्ट कीजिए।
- (ii) राष्ट्रीय आय की अवधारणा स्पष्ट करके राष्ट्रीय आय की गणना में आनेवाली व्यावहारिक कठिनाइयाँ स्पष्ट कीजिए।
- (iii) पूर्ति का नियम उसकी मान्यताओं द्वारा स्पष्ट कीजिए।

